www.railsamacharbureau.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

"हिंदी केवल शब्दों का संसार नहीं, हमारी संस्कृति और संस्कारों की पहचान है। आइए, इसके सम्मान के साथ इसके गौरव को नई पीढ़ी तक पहुँचाएँ।"

"भाषा वही आगे बढ़ती है, जिसे पीढ़ियाँ पूरे गर्व के साथ अपनाती हैं। आइए, हिंदी को अपने संवाद, विचार और जीवन का हिस्सा बनाएँ।"

वर्ष-36 अंक:17 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 01 सितम्बर - 15 सितम्बर 2026 पृष्ठ 08, मूल्य:20 रु. मात्र. डाक खर्च (रंगीन सहित)

रेल कनेक्टिविटी को मिलेगी रफ्तार,

4 राज्यों के 8 जिलों के लिए चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाएं मंजूर

पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश को मिलेगा फायदा

इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 9,450 करोड़ रुपये जिन्हें 2030-31 तक पूरा किया जाना है

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने रेल मंत्रालय की लगभग 9,450 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली चार परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में शामिल हैं खड़गपुर - भद्रक (रानीताल) चौथी लाइन - 173 किमी (पश्चिम बंगाल और ओडिशा), भद्रक - हरिदासपुर चौथी लाइन - 75 किमी (ओडिशा), गुम्मिडिपुंडी - गुडुर तीसरी और चौथी लाइन - 90 किमी (आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु), कटक पारादीप (बडाबन्धा) तीसरी और चौथी लाइन - 72 किमी (ओडिशा)।

बढ़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेल की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। इन बहु-ट्रैकिंग प्रस्तावों से परिचालन के सुव्यवस्थित होने और भीड़भाड़ में कमी आने की उम्मीद है। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के व्यापक विकास के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। परियोजनाएं प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। इन परियोजनाओं से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी।

पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश राज्यों के 8 जिलों को कवर करने वाली ये 4 परियोजनाएं भारतीय रेल के वर्तमान नेटवर्क को लगभग 410 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 6,448 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिनकी आबादी लगभग 60 लाख है।

प्रस्तावित क्षमता वृद्धि से देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिसमें कुलडीहा वन्यजीव अभयारण्य, भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान, मां भद्रकाली मंदिर, मां धमराई मंदिर, पंचलिंगेश्वर मंदिर, तलसारी-उदयपुर और चांदीपुर समुद्र तट, पुलिकट झील, नेलपट्टू पक्षी अभयारण्य, भगवान वीरराघव पेरुमल मंदिर, गदा कुजंगा जगन्नाथ मंदिर, सरला मंदिर, धबलेश्वर मंदिर, ललितगिरि (बौद्ध स्थल) आदि शामिल हैं।

प्रस्तावित परियोजनाएं कोयला, लौह अयस्क, सीमेंट, लोहा और इस्पात, कंटेनर, ऑटोमोबाइल, अनाज आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों से प्रति वर्ष 76 मिलियन टन माल ढुलाई की अतिरिक्त क्षमता प्राप्त होगी। भारतीय रेल के पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण यह जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में सहायक होगी। साथ ही, यह तेल आयात (लगभग 13 करोड़ लीटर) को कम करेगी और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (लगभग 65 करोड़ किलोग्राम) को घटाएगी, जो 2.60 करोड़ वृक्षारोपण के बराबर है।

ग्वालियर-चंबल को मिली रेल कनेक्टिविटी की नई सौगात, बीरपुर तक पहुंची ट्रेन

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में रेल नेटवर्क के विस्तार को आगे बढ़ाते हुए कैलारस-सबलगढ़-बीरपुर रेल खंड का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर-कैलारस ट्रेन सेवा को बीरपुर तक बढ़ाने की शुरुआत की।

कैलारस से बीरपुर के बीच 56 किलोमीटर लंबे गेज-परिवर्तित रेल मार्ग के चालू होने से मुरैना और श्योपुर जिलों के 100 से अधिक गांवों के लोगों को रेल सुविधा मिलने की जानकारी दी गई। इस विस्तार से बीरपुर, विजयपुर और सबलगढ़ का ग्वालियर से सीधा रेल संपर्क स्थापित होगा। इससे क्षेत्र के लोगों को यात्रा के लिए सुविधाजनक और किफायती विकल्प मिलने के साथ ग्वालियर में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़े अवसरों तक पहुंच आसान होने की बात कही गई है।

रेल मंत्री ने बताया कि बिरलानगर से बीरपुर तक 117 किलोमीटर के रेल मार्ग पर अलग-अलग चरणों में काम पूरा किया गया है। बिरलानगर-रायरू, रायरू-सुमावली, सुमावली-जौरा और जौरा-कैलारस खंड पहले ही यातायात के लिए खोले जा चुके हैं। कैलारस-सबलगढ़ मार्ग वर्ष 2025 में और सबलगढ़-बीरपुर खंड वर्ष 2026 में शुरू किया गया। इसके आगे बीरपुर-सेरोनी रोड और सेरोनी रोड-श्योपुर कलां खंडों का काम लगभग पूरा होने की जानकारी दी गई है।

परियोजना को आगे श्योपुर कलां और फिर कोटा तक बढ़ाने की योजना भी बताई गई। अश्विनी वैष्णव के अनुसार, ग्वालियर-श्योपुर कलां रेल लाइन आने वाले कुछ महीनों में यात्रियों के लिए उपलब्ध हो सकती है। उनके मुताबिक, यह विस्तार क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण स्टेशनों को जोड़ने के साथ मध्य प्रदेश में रेल अवसंरचना को मजबूत करेगा।

मध्य प्रदेश में रेल विकास के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए वैष्णव ने बताया कि राज्य के लिए रेल बजट 2009-14 के दौरान 632 करोड़ रुपये था, जो 2026-27 में बढ़कर 15,188 करोड़ रुपये हो गया है। राज्य में करीब 1.55 लाख करोड़ रुपये की रेल परियोजनाएं वर्तमान में चल रही हैं। इसके अलावा 80 स्टेशनों के पुनर्विकास का काम जारी है, जबकि पांच वंदे भारत ट्रेनें संचालित हो रही हैं और सात अमृत भारत ट्रेनें शुरू की जा रही हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बीरपुर तक रेल विस्तार को ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के लिए अहम उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि रेल संपर्क बढ़ने से लोगों की आवाजाही के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं तक पहुंच भी बेहतर होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रेल नेटवर्क के विस्तार से ग्वालियर-चंबल और मालवा के बीच संपर्क मजबूत होगा तथा उद्योग, पर्यटन और रोजगार से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है।

साबरमती-जम्मू तवी एक्सप्रेस श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक विस्तारित

ट्रेन का सांबा, बाड़ी ब्राह्मण एवं शहीद कप्तान तुषार महाजन स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ट्रेन संख्या 19223/19224 साबरमती जम्मू तवी साबरमती एक्सप्रेस को श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 19223 साबरमती श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा एक्सप्रेस साबरमती से प्रतिदिन 10.25 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 18.55 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा पहुंचेगी। इसका विस्तार 18 अक्टूबर, 2026 से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन से प्रभावी होगा।

इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 19224 श्री माता वैष्णो देवी कटरा साबरमती एक्सप्रेस श्री माता वैष्णो देवी कटरा से प्रतिदिन 04.50 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 14.05 बजे साबरमती पहुंचेगी। इसका विस्तार 20 अक्टूबर, 2026 से प्रारंभ करने वाली ट्रेन से प्रभावी होगा। उपर्युक्त ट्रेनों का सांबा और शहीद कप्तान तुषार महाजन स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा। ट्रेन संख्या 19223 का बाड़ी ब्राह्मण स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव होगा। ट्रेन का परिचालन प्रतिदिन जारी रहेगा।

अन्य ट्रेनों के समय में परिणामी परिवर्तन

ट्रेन संख्या 19223/19224 का श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक विस्तार किए जाने के परिणामस्वरूप निम्नलिखित ट्रेनों के समय में संशोधन किया जाएगा:

- 25 अक्टूबर, 2026 से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19415 साबरमती श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस का जम्मू तवी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 04.05/04.15 होगा तथा 06.25 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा पहुंचेगी।
- 18 अक्टूबर, 2026 से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12919 डॉ. अंबेडकर नगर श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा मालवा एक्सप्रेस का जम्मू तवी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 14.15/14.20 बजे होगा।
- 18 अक्टूबर, 2026 से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12471 बांद्रा टर्मिनस श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्वराज एक्सप्रेस का जम्मू तवी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 14.32/14.37 बजे होगा।
- 24 अक्टूबर, 2026 से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12473 गांधीधाम श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्वराज एक्सप्रेस का जम्मू तवी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 14.32/14.37 बजे होगा।
- 20 अक्टूबर, 2026 से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12475 हापा श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्वराज एक्सप्रेस का जम्मू तवी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 14.32/14.37 बजे होगा।
- 21 अक्टूबर, 2026 से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12477 जामनगर श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्वराज एक्सप्रेस का जम्मू तवी स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान 14.32/14.37 बजे होगा।
- 7 अक्टूबर, 2026 से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19223, 12919, 12471, 12473, 12475 और 12477 की बुकिंग, जो परिचालन संबंधी कारणों से अस्थायी रूप से रोक दी गई थी, 21 अगस्त, 2026 से शुरू होगी। इसके बाद आरक्षण 60 दिनों की अग्रिम आरक्षण अवधि (ARP) के अनुसार उपलब्ध रहेगा।

ट्रेनों के ठहराव, समय एवं कोच संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मुंबई उपनगरीय रेलवे के लिए समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु आईसीएफ, आरसीएफ और एमसीएफ 238 एसी ईएमयू रेकों का निर्माण शुरू करेंगे

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि रेल मंत्रालय ने अपनी उत्पादन इकाइयों-इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) चेन्नई, रेल कोच फैक्टरी (आरसीएफ) कपूरथला और मॉडर्न कोच फैक्टरी (एमसीएफ) रायबरेली के माध्यम से 238 एसी ईएमयू रेकों के निर्माण को प्राथमिकता दी है। यह कदम मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी) के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर शुरू होने के साथ-साथ रोलिंग स्टॉक की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

एक अनुमानित प्रोडक्शन प्रोग्राम के अनुसार, आईसीएफ द्वारा 120 एसी ईएमयू रेक, आरसीएफ द्वारा 71 रेक और एमसीएफ द्वारा 47 रेक बनाए जाएंगे, जिससे कुल संख्या 238 रेक हो जाएगी। भारतीय रेलवे की उत्पादन इकाइयों में वातानुकूलित ईएमयू, वंदे भारत ट्रेनसेट और वंदे मेट्रो ट्रेनसेट सहित आधुनिक यात्री रोलिंग स्टॉक के निर्माण की प्रमाणित क्षमता है। रेलवे बोर्ड ने मौजूदा और प्रमाणित आरडीएसओ/आईसीएफ स्पेसिफिकेशन्स पर स्वीकृत एसी ईएमयू रेकों की खरीद को मंजूरी दे दी है, जिससे रोलिंग स्टॉक के तेजी से निर्माण और आपूर्ति में सुविधा होगी।

इनकी आपूर्ति 2027 से शुरू करने की योजना है, जबकि 2030 तक सभी स्वीकृत ट्रेनसेट का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। 2027 में पहली ट्रेनसेट मिलने और 2030 तक पूरी आवश्यकता का निर्माण कार्य पूरा होने से नए रेल नेटवर्क की शुरुआत और ट्रेनों के शामिल होने के बीच का अंतर खत्म होगा, जिससे नए इंफ्रास्ट्रक्चर का पूरा लाभ उठाया जा सकेगा।

मुंबई से प्रयागराज का सफर हुआ आसान, अमृत भारत एक्सप्रेस से यात्री उठा रहे सुविधा का लाभ

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- मध्य रेल ने लोकमान्य तिलक टर्मिनस-प्रयागराज-लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल ट्रेन संख्या 04151/04152 को नियमित कर दिया है। अब यह सेवा 20435/20436 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-प्रयागराज-लोकमान्य तिलक टर्मिनस अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में साप्ताहिक चलेगी।

ट्रेन संख्या 20435 लोकमान्य तिलक टर्मिनस से प्रत्येक शनिवार को 17:20 बजे रवाना होगी और अगले दिन 12:40 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। यह सेवा 22 अगस्त 2026 से शुरू होगी। वापसी में ट्रेन संख्या 20436 प्रत्येक शुक्रवार को प्रयागराज से 18:10 बजे रवाना होगी और अगले दिन 15:45 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। यह सेवा 21 अगस्त 2026 से चलेगी। ट्रेन के ठहराव कल्याण, भुसावल, इटारसी, जबलपुर और सतना में होंगे। ट्रेन में कुल 22 अमृत भारत कोच होंगे, जिनमें 11 सामान्य अनारक्षित कोच, 8 स्लीपर कोच, 1 पैंट्री कार और 2 लगेज-सह-दिव्यांगजन ब्रेक वैन शामिल हैं।

भारतीय रेलवे ने 19,700 किलोमीटर ट्रैक पर लगाई सुरक्षा बाड़, पत्थरबाजी रोकने के लिए जागरूकता अभियान तेज़

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि भारतीय रेलवे ने रेल संचालन की सुरक्षा और अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए रेलवे ट्रैक के किनारे अब तक लगभग 19,700 किलोमीटर की सुरक्षा बाड़ लगाई है। इसमें बिहार, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश में स्थित रेलवे खंड भी शामिल हैं। पैदल यात्रियों के लिए बने सबवे में भी सुरक्षा बाड़ लगाई जा रही है, ताकि मवेशियों, पैदल यात्रियों और छोटे वाहनों को रेलवे ट्रैक पार करने में सुविधा हो।

रेलवे यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति को नुकसान से बचाने के लिए ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने वालों के खिलाफ कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई करता है। प्रभावित क्षेत्रों और ब्लैक स्पॉट में असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान चलाए जाते हैं तथा पकड़े गए लोगों पर कानूनी प्रावधानों के तहत मुकदमा चलाया जाता है।

रेलवे ने संवेदनशील क्षेत्रों में ट्रेनों के साथ चलने वाले कर्मचारियों को अधिक सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। रेलवे ट्रैक के आसपास के आबादी वाले क्षेत्रों में पत्थरबाजी के खतरे और इसके परिणामों को लेकर ऑपरेशन साथी सहित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। पत्थरबाजी की घटनाओं को रोकने के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं और घटनाओं के विश्लेषण के आधार पर कार्रवाई की जाती है।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा जीआरपी और स्थानीय पुलिस के साथ नियमित समन्वय कर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की जाती है। रेलवे सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी और समीक्षा के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राज्य स्तरीय रेलवे सुरक्षा समितियां भी गठित की गई हैं।

भारतीय रेलवे चला रहा विशेष सफाई अभियान, पानी की टंकियों और फिल्टरों की होगी गहन सफाई

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- भारतीय रेलवे ने स्टेशनों पर यात्रियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पानी की टंकियों और फिल्टरों की सफाई और उन्हें कीटाणु मुक्त बनाने के लिए विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया है।

यह पहल भारतीय रेलवे में पेयजल गुणवत्ता प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए बनाई गई व्यापक कार्य योजना का हिस्सा है। इस कार्य योजना में संपूर्ण पेयजल प्रणाली के नियमित निरीक्षण और रखरखाव पर जोर दिया गया है। इसमें पाइपलाइन के अंत में जल परीक्षण के साथ स्रोत और उपभोग स्थल दोनों पर जल गुणवत्ता परीक्षण करने पर भी बल दिया गया है।

क्षेत्रीय रेलवे इस अभियान के दौरान जल स्रोतों, उपचार एवं निस्पंदन संयंत्रों, भूमिगत और ओवरहेड टैंक, पीवीसी टैंक, जल बूथ, नलों और जल वितरण बिंदुओं का व्यापक निरीक्षण करेगी। सभी पानी की टंकियों को खाली करके उनकी सफाई के बाद कीटाणुरहित किया जाएगा। इसके अलावा, वेंट और ओवरफ्लो बिंदुओं को पक्षियों, जानवरों और शैवाल से बचाने के लिए उचित सुरक्षा उपाय भी किए जाएंगे।

इस अभियान के दौरान सुधारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता वाली कमियों की पहचान भी की जाएगी। क्षतिग्रस्त टैंक, पाइपलाइन और फिल्टर की मरम्मत की जाएगी या आवश्यकतानुसार उन्हें बदला जाएगा, साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पीने योग्य और गैर-पीने योग्य जल प्रणालियों के बीच कोई क्रॉस-कनेक्शन न हो। पीने के पानी की आपूर्ति में शामिल सभी पाइपों से रिसाव की जाँच की जाएगी और पानी की बर्बादी को रोकने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जाएंगे।

उन स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा जहां पीने के पानी के लिए हैंडपंप और बोरवेल का उपयोग किया जा रहा है। क्षेत्रीय रेलवे यह सुनिश्चित करेगा कि इनसे प्राप्त जल पीने के लिए सुरक्षित हो।

जल गुणवत्ता प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना

रेलवे बोर्ड ने व्यापक कार्य योजना के अंतर्गत, क्षेत्रीय रेलवे को वाटर कूलर और जल शोधन प्रणालियों का व्यापक निरीक्षण करने की सलाह दी है। कूलरों में लगे पानी के टैंक की पूरी तरह सफाई की जाएगी, कूलरों, पाइपलाइनों और नलों में होने वाले रिसावों को तुरंत ठीक किया जाएगा और वाटर कूलर वितरण क्षेत्रों के आसपास शत प्रतिशत स्वच्छता सुनिश्चित की जाएगी।

वाटर कूलर के लिए यूवी/आरओ प्रणालियों की उचित जांच की जाएगी और आवश्यकतानुसार उन्हें उपलब्ध कराया जाएगा। निर्धारित रखरखाव, सर्विसिंग, मरम्मत और फिल्टर कैंडल्स तथा अन्य घटकों का समय पर प्रतिस्थापन किया जाएगा। नई या प्रतिस्थापन यूवी/आरओ प्रणालियां, उनकी स्थिति और आवश्यकता के आधार पर, मिशन मोड में लगाई जाएंगी।

सफाई और गुणवत्ता निगरानी के लिए निर्धारित उपाय पानी बेचने वाली मशीनों पर भी लागू होंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन सुविधाओं के माध्यम से वितरित पेयजल आवश्यक सुरक्षा और स्वच्छता मानकों को पूरा करता है। अधिकारी चिन्हित स्थानों से लिए गए जल नमूनों का भौतिक, रासायनिक और जीवाणु परीक्षण करेंगे, जिनमें स्रोत, उपचार के बाद के निकास द्वार, टैंक, कूलर, वेंडिंग मशीन और नल या बूथ शामिल हैं दैनिक आधार पर अवशिष्ट क्लोरीन की निगरानी भी की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल पुनः क्लोरीनीकरण या अन्य सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बुनियादी ढांचे की निगरानी और सुधारात्मक कार्रवाई

रेलवे बोर्ड ने क्षेत्रीय रेलवे को निर्देश दिया है कि वे मौजूदा ओवरहेड और अंडरग्राउंड टैंक के प्रतिस्थापन और नए टैंक के निर्माण के लिए स्वीकृत कार्यों की निगरानी करें और उनमें तेजी लाएं। इन स्वीकृत कार्यों का सारांश भी तैयार किया जाएगा और जहां भी आवश्यक होगा, नए अनुमोदन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। पेयजल आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न चरणों में संदूषण की पहचान और रोकथाम के लिए, स्रोत और नल दोनों स्थानों पर विभिन्न स्थितियों के लिए उपयुक्त प्रणालियों पर भी काम किया जा रहा है।

क्षेत्रीय रेलवे द्वारा पहचानी गई कमियों और उनके निवारण हेतु की गई कार्रवाई का स्टेशनवार विवरण प्रस्तुत किया जाएगा। यह व्यवस्था कमियों की व्यवस्थित निगरानी में सहायक होगी और यह सुनिश्चित करेगी कि विशेष अभियान के दौरान पहचानी गई समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाए।

इस कार्य योजना में रेलवे कॉलोनियों और कार्यस्थलों में पेयजल अवसंरचना के लिए भी इसी तरह के उपायों की परिकल्पना की गई है, जिससे सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल पर ध्यान यात्री क्षेत्रों से परे भी विस्तारित हो सके।

भारतीय रेलवे इन समन्वित उपायों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति प्रणाली में निवारक निरीक्षण, बुनियादी ढांचे के रखरखाव, सफाई, जल गुणवत्ता परीक्षण और सुधारात्मक कार्रवाई तंत्र को मजबूत कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों दोनों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

गोरखपुर-दिल्ली के बीच चल रही नई अमृत भारत एक्सप्रेस, यात्रियों को मिल रहा अतिरिक्त रेल विकल्प

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- रेल यात्रियों की सुविधा के लिए गोरखपुर जंक्शन और दिल्ली जंक्शन के बीच नई अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन शुरू हो चुका है। ट्रेन संख्या 15095/15096 गोरखपुर-दिल्ली जंक्शन-गोरखपुर अमृत भारत एक्सप्रेस साप्ताहिक आधार पर यात्रियों को सेवा दे रही है। गोरखपुर से दिल्ली जाने वाली ट्रेन संख्या 15095 प्रत्येक गुरुवार रात 10:45 बजे गोरखपुर से रवाना होती है और अगले दिन दोपहर 12:50 बजे दिल्ली जंक्शन पहुंचती है। वापसी में ट्रेन संख्या 15096 प्रत्येक शुक्रवार दोपहर 2:10 बजे दिल्ली जंक्शन से चलती है और अगले दिन सुबह 6:30 बजे गोरखपुर पहुंचती है।

यह अमृत भारत एक्सप्रेस खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, बुढ़वल जंक्शन, सीतापुर जंक्शन, बरेली, मुरादाबाद और गाजियाबाद जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव लेती है। इससे इन स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को गोरखपुर और दिल्ली के बीच आने-जाने के लिए एक अतिरिक्त रेल सुविधा मिल रही है। नई साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस के संचालन से गोरखपुर और दिल्ली के बीच रेल संपर्क को मजबूती मिल रही है। ट्रेन के नियमित संचालन से इस रूट पर यात्रियों को सुविधाजनक रेल विकल्प उपलब्ध हो रहा है।

भारत के 7 हाई-डेंसिटी रेल रूट्स को फोर-लेन करने की दिशा में तेज़ी, बढ़ेगी रेल नेटवर्क की क्षमता

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के तहत भारत के 7 हाई-डेंसिटी रेल रूट्स को फोर-लेन करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। करीब 11,000 किलोमीटर में फैले ये सात प्रमुख रेल मार्ग देश के कुल रेल ट्रैफिक का लगभग 41 प्रतिशत संभालते हैं, जबकि पूरे रेल नेटवर्क में इनकी हिस्सेदारी केवल 16 प्रतिशत है।

इन हाई-डेंसिटी रूट्स में दिल्ली हावड़ा, हावड़ा चेन्नई, चेन्नई मुंबई, मुंबई दिल्ली, दिल्ली चेन्नई, मुंबई हावड़ा और दिल्ली गुवाहाटी शामिल हैं। इन मार्गों को फोर-लेन करने से व्यस्त रेल कॉरिडोर पर अतिरिक्त क्षमता विकसित होगी और यात्री तथा माल परिवहन की बढ़ती मांग को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा करने में मदद मिलेगी।

इस विस्तार से ट्रेनों के संचालन की क्षमता बढ़ने, माल परिवहन को अधिक सुगम बनाने और परिवहन लागत कम करने में सहायता मिलने की उम्मीद है। साथ ही, अधिक क्षमता वाले रेल नेटवर्क से सड़क परिवहन पर दबाव कम करने और अधिक कुशल एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने में भी मदद मिलेगी।

उप मुख्य यातायात प्रबन्धक ने कानपुर सेंट्रल स्थित बेस किचनों का किया गहन निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- यात्रियों को रेल यात्रा के दौरान स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खान-पान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उप मुख्य यातायात प्रबन्धक/कानपुर, श्री अकांशु गोविल ने कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन स्थित बेस किचनों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री गोविल ने एम/एस आर. के. एसोसिएट एवं फूड वर्ल्ड द्वारा संचालित बेस किचनों की व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया। इन बेस किचनों से शताब्दी एक्सप्रेस, वंदे भारत एक्सप्रेस एवं तेजस जैसी प्रीमियम ट्रेनों में यात्रियों को नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराया जाता है। अतः इन किचनों में भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। निरीक्षण के दौरान उप मुख्य यातायात प्रबन्धक ने खाद्य सामग्री के रख-रखाव, भोजन तैयार करने की प्रक्रिया, किचन परिसर की साफ-सफाई, कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता तथा अन्य निर्धारित मानकों का गहन परीक्षण किया। श्री गोविल ने संबंधित संचालकों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्रियों के स्वास्थ्य एवं सुविधा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने सभी निर्धारित गुणवत्ता एवं स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रीमियम ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को उच्च गुणवत्ता का, स्वच्छ एवं सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना रेलवे की प्राथमिकता है। इस संबंध में बेस किचनों की व्यवस्थाओं की नियमित एवं प्रभावी निगरानी जारी रहेगी तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली क्षेत्र में मच्छर नियंत्रण के लिए रेलवे की विशेष पहल

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- दिल्ली क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के किनारे मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए रेलवे ने नई दिल्ली से एक विशेष ट्रेन ''मॉस्किटो टर्मिनेटर ऑन व्हील्स'' शुरू की। श्री प्रवेश वाही, महापौर, दिल्ली ने इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उत्तर रेलवे दिल्ली मंडल एवं दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह ''मॉस्किटो टर्मिनेटर ऑन व्हील्स'' ट्रेन प्रत्येक फेरे में लगभग 75 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। रेल पटरियों के किनारे गड्ढों एवं एकत्रित पानी में मच्छरों को पनपने से रोकने और उन्हें नियंत्रित करने तथा लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह मच्छर मार विशेष रेलगाड़ी चलाई गई है। नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराए गए एक ट्रक माउंटेड पावर स्प्रेयर को रेलगाड़ी के खुले डिब्बे (एफ.एम.पी.) नामक एक विशेष प्रकार के वैगन पर लोड किया गया, जिसने ट्रेन की आवाजाही के दौरान 50-60 मीटर की दूरी तक के क्षेत्रों में मच्छरों को मारने के लिए एंटी लार्वा स्प्रे का छिड़काव किया। यह रेलगाड़ी आदर्श नगर और बादली के रास्ते राठधना से गुजरते हुए नई दिल्ली लौटी और संलग्न कार्यक्रम के अनुसार आगामी दिनों में 26.09.2026 तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तथा अन्य क्षेत्रों को कवर करेगी। मच्छरों के प्रजनन के चरम मौसम को कवर करने के लिए प्रत्येक सप्ताह 6 सप्ताह में कुल 12 राउंड छिड़काव (प्रत्येक मार्ग पर दो राउंड) किया जाएगा। इससे मच्छरों के लार्वा के प्रजनन और मच्छरों के खतरे के प्रसार में कमी आएगी। रेलवे कॉलोनियों और रेलवे भूमि में मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए रेलवे आवश्यक उपाय कर रहा है। इसके अलावा, रेलवे ओवरहेड टैंकों की सफाई और पानी की टंकियों के गायब/क्षतिग्रस्त ढक्कनों को बदलना भी सुनिश्चित कर रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल ने प्रमुख स्टेशनों पर ट्रैफिक स्टडीज़ के लिए आईआईटी-हैदराबाद को शामिल किया है

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल ने सिकंदराबाद और लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशनों पर ट्रैफिक का पूरा आकलन करने के लिए आईआईटी हैदराबाद (IITH) को काम पर लगाया है। इसका मकसद यात्रियों के आवागमन को बेहतर बनाना, ट्रैफिक की भीड़ कम करना और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। इस अध्ययन में गाड़ियों और पैदल चलने वालों की आवाजाही का आकलन, ट्रैफिक के बहाव और आने-जाने की प्लानिंग, अलग-अलग तरह के यातायात साधनों का तालमेल, जाम वाली जगहों की पहचान, स्टेशन परिसर में पार्किंग और पिक-अप/ड्रॉप-ऑफ की व्यवस्था, जंक्शन और सिगनल में सुधार और स्टेशन के आस-पास ट्रैफिक प्रबंधन के उपाय शामिल होंगे।

यह अध्ययन संरक्षा, सुलभता और परिचालनिक क्षमता को बेहतर बनाने के लिए डेटा-आधारित समाधान विकसित करने के लिए ड्रोन सर्वे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग-आधारित सीसीटीवी एनालिसिस, यात्रियों के फील्ड सर्वे और ट्रैफिक सिमुलेशन का उपयोग करेगी। इस पहल का नेतृत्व सिकंदराबाद मंडल का वाणिज्य विभाग कर रहा है, जिसमें इंजीनियरिंग, रेसुब, परिचालन और अन्य बाहरी स्टेकहोल्डर्स का सहयोग लिया जा रहा है। उम्मीद है कि इस अध्ययन से सिकंदराबाद और लिंगमपल्ली स्टेशनों पर चल रहे बड़े पुनर्विकसित कामों के लिए भी अहम जानकारी मिलेगी, ताकि सुझाए गए समाधानों को भविष्य के स्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर में प्रभावी ढंग से शामिल किया जा सके। सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, डॉ. आर. गोपाल कृष्णन ने कहा कि इस अध्ययन से मौजूदा ट्रैफिक चुनौतियों के लिए असरदार और डेटा-आधारित समाधान मिलने की उम्मीद है, जिन्हें दूसरे बड़े स्टेशनों पर भी लागू किया जा सकता है।

श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने सिकंदराबाद मंडल की प्रयासों की तारीफ की। उन्होंने बढ़ते ट्रैफिक से निपटने के लिए आईआईटी-हैदराबाद के साथ मिलकर और नवीनतम प्रौद्योगिकी की सहायता से यातायात का पूरा आकलन करने का काम किया।

आगरा मंडल में पहली बार 'मानक कवच' का सफल कमीशनिंग

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- आगरा मंडल में पहली बार मथुरा जंक्शन आगरा कैंट रेलखंड के 53.790 रूट किलोमीटर में भारतीय रेलवे की अत्याधुनिक स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'मानक कवच' का सफलतापूर्वक कमीशनिंग किया गया है। यह उपलब्धि रेल संरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने तथा आधुनिक तकनीक आधारित रेल परिचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह एवं मंडल रेल प्रबंधक, आगरा श्री गगन गोयल के मार्गदर्शन में यह महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। मानक कवच की स्थापना आगरा मंडल में आधुनिक रेल अवसंरचना और उन्नत संरक्षा तकनीक के विस्तार की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। मथुरा आगरा कैंट खंड में स्थापित मानक कवच प्रणाली ट्रेन परिचालन के दौरान संभावित खतरों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह प्रणाली आमने-सामने की टक्कर तथा पीछे से होने वाली टक्कर से सुरक्षा, रोल-अवे से सुरक्षा, स्टैंडस्टिल सुरक्षा तथा आपातकालीन स्थिति में मैनुअल एसओएस जनरेशन जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं से सुसज्जित है।

इस परियोजना के अंतर्गत मथुरा आगरा कैंट खंड में कुल 766 RFID टैग स्थापित किए गए हैं। साथ ही प्रणाली के सफल एवं सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कमीशनिंग से पूर्व लोको पायलटों एवं अन्य रनिंग स्टाफ के साथ-साथ सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस नई उपलब्धि के साथ उत्तर मध्य रेलवे में कमीशन किए गए मानक कवच नेटवर्क की कुल लंबाई बढ़कर 122.20 रूट किलोमीटर हो गई है। मानक कवच भारतीय रेलवे द्वारा विकसित एक उन्नत स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जिसका उद्देश्य रेल दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करते हुए ट्रेन परिचालन को अधिक सुरक्षित एवं विश्वसनीय बनाना है। आगरा मंडल द्वारा आधुनिक तकनीक और उन्नत संरक्षा प्रणालियों को अपनाते हुए रेल यात्रियों को सुरक्षित, संरक्षित एवं बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। मथुरा आगरा खंड में मानक कवच का सफल कमीशनिंग इसी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

नेपाल में उत्पन्न त्रासदी के बीच वापस भारत लौटने वाले यात्रियों की सुविधा एवं यात्रा के दौरान मेडिकल सहायता सहित समुचित सहयोग के लिए पूर्व मध्य रेल द्वारा की गयी विशेष व्यवस्था

महाराष्ट्र की ओर जाने वाले 17609 पटना-पूर्णा एक्सप्रेस में थर्ड एसी के दो अतिरिक्त कोच लगाए गए

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सेवा को प्राथमिकता देते हुए नेपाल में उत्पन्न त्रासदी के बीच नेपाल से लौटकर भारत लौटने के बाद महाराष्ट्र की ओर जाने वाले 106 यात्रियों के लिए पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने एवं आरामदायक रेल यात्रा के लिए विशेष व्यवस्था की गई। सड़क मार्ग से सुबह पटना ज़क्शन पहुंचे इन यात्रियों को 17609 पटना-पूर्णा एक्सप्रेस में अतिरिक्त कोच की व्यवस्था कर पटना से नागपुर के लिए रवाना किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समन्वित रूप से कार्य करते हुए यात्रियों की आवश्यकताओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया। यात्रियों के पटना जंक्शन पहुंचते ही पहले से ही तैयार दानापुर मंडल की वाणिज्य, आरपीएफ एवं मेडिकल टीम पूरी तत्परता के साथ सहायता में जुट गई। ट्रेन के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन पहुंचने पर यात्रियों को नाश्ता, पानी, चाय एवं स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की गयी ।

विदित हो कि नेपाल में बाढ़ की स्थिति के बीच भारत लौट रहे यात्रियों की सुगम में इन यात्रियों के की गई। पटना वापसी के 17609 लिए रेलवे द्वारा विशेष व्यवस्थाए पटना-पूर्णा एक्सप्रेस ट्रेन में थर्ड एसी के दो अतिरिक्त कोच लगाए गए।

यात्रियों ने भी रेलवे कर के इस प्रयास को सकारात्मक रूप से लेते हुए अपनी प्रसन्नता जाहिर करते हुए आभार व्यक्त किया।

नेपाल बाढ़ त्रासदी: दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि

नेपाल में आई भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के कारण असमय काल-कवलित हुए निर्दोष नागरिकों की मृत्यु का समाचार अत्यंत हृदयविदारक और दुखद है। इस भीषण त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले सभी दिवंगतों के प्रति हम अत्यंत दुखी मन से अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे पुण्य आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं और हम ईश्वर से यही कामना करते हैं कि आपदा से प्रभावित सभी लोग जल्द से जल्द इस संकट से उबर सकें और सभी घायल शीघ्र स्वस्थ हों।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में नए श्रम कानूनों पर कार्यशाला आयोजित

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कार्मिक विभाग, मुख्यालय द्वारा एनईआई सभागृह, बिलासपुर में नए श्रम कानूनों जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण एवं समसामयिक विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय एवं बिलासपुर मंडल के प्रधान विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों ने सहभागिता की।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि श्री विजय कुमार साहू, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तथा मुख्य वक्ता श्री डॉक्टर एच. श्रीनिवास (आईआरपीएस) रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी डॉ. दर्शनीता बी. अहलूवालिया द्वारा मुख्य वक्ता श्री एच. श्रीनिवास का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तथा मुख्य अतिथि श्री विजय कुमार साहू का भी स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि श्री विजय कुमार साहू ने अपने स्वागत उद्बोधन में नए श्रम कानूनों के महत्व एवं वर्तमान संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस महत्वपूर्ण विषय पर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए मुख्य वक्ता श्री एच. श्रीनिवास के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता श्री डॉक्टर एच. श्रीनिवास (आईआरपीएस) ने नए श्रम कानूनों की विस्तृत विवेचना करते हुए उनके प्रमुख प्रावधानों एवं मूल तथ्यों को सरल एवं सहज भाषा में उपस्थित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विषय की व्यावहारिक समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नए श्रम कानूनों के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन एवं बेहतर समझ को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के सफल समापन पर मुख्य वक्ता श्री डॉक्टर एच. श्रीनिवास के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने आईआरसीटीसी वॉर रूम की समीक्षा की, खान-पान सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश

रसोई की वास्तविक समय में निगरानी, प्रभावी निरीक्षण, कमियों पर तुरंत कार्रवाई और 'रेल मदद' पर आने वाली शिकायतों की सूक्ष्म निगरानी पर ध्यान

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- रेलवे बोर्ड (रेल मंत्रालय) के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री सतीश कुमार ने आईआरसीटीसी कार्यालय में आईआरसीटीसी वॉर रूम के कामकाज की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से फीडबैक लेने, रसोई की निगरानी करने और खान-पान सेवाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाली प्रणालियों को और मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया। समीक्षा के दौरान, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष (सीआरबी) ने निगरानी और फीडबैक से जुड़ी गतिविधियों के लिए बनी विशेष टीम के साथ बातचीत की। उन्होंने निगरानी प्रक्रिया को अधिक जवाबदेह, तकनीक पर आधारित और परिणामों पर केन्द्रित बनाने हेतु मौजूदा प्रणालियों को मजबूत करने पर जोर दिया।

श्री सतीश कुमार ने यात्रियों को एक ही क्लिक के जरिए सहज एवं सुविधाजनक तरीके से संबंधित प्रणाली से संपर्क करने में समर्थ बनाने हेतु 'रेल मदद' इंटरफेस को और अधिक स्वचालित बनाने का निर्देश दिया। 'रेल मदद' पर आने वाली शिकायतों की सूक्ष्म निगरानी करने पर भी जोर दिया गया। इसमें जरूरत पड़ने पर यात्रियों से सीधे बातचीत करना भी शामिल है ताकि यात्रियों की चिंताओं को बेहतर ढंग से समझा और उनका समाधान किया जा सके।

रसोई की वास्तविक समय में निगरानी को मजबूत करना

इस समीक्षा में रेलवे की खान-पान सेवा की रसोई की कैमरा-आधारित निगरानी को बढ़ाने पर भी ध्यान दिया गया। अभी रसोई के कामकाज की निगरानी के लिए चार कैमरा फीड उपलब्ध हैं। सीआरबी ने रसोई की गतिविधियों की बेहतर और अधिक प्रभावी निगरानी हेतु, कच्चे माल के भंडारण क्षेत्र में अतिरिक्त कैमरे और एक पीटीजेड (पैन-टिल्ट-जूम) कैमरा लगाने का निर्देश दिया। कैमरा-आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग रसोई की स्थिति और कामकाज का आकलन करने के लिए भी किया जा रहा है। जहां खराब स्थिति देखी जाती है, वहां उचित नोटिस और सुधारात्मक कार्रवाई शुरू की जानी है। समीक्षा के दौरान, दक्षिण मध्य रेलवे के अनंतपुर में एक रसोई में निरीक्षण और वीडियो निगरानी के आधार पर सुधार की जरूरत पाई गई। रोटी और पराठा बनाने की प्रक्रिया पर खास जोर दिया गया, क्योंकि इस क्षेत्र में बारीकी से समीक्षा की जरूरत थी। सीआरबी ने रोटी और पराठा बनाने की पूरी प्रक्रिया की अच्छी तरह से समीक्षा करने का निर्देश दिया ताकि कमियों का पता लगाया जा सके और गुणवत्ता में एकरूपता सुनिश्चित की जा सके।

ठोस तृतीय-पक्ष निरीक्षण और रोक लगाने वाली कार्रवाई

श्री सतीश कुमार ने खान-पान सेवा के मानकों को बनाए रखने में तृतीय-पक्ष निरीक्षण एजेंसियों की भूमिका की भी समीक्षा की। भले ही विभिन्न स्थानों पर तृतीय-पक्ष निरीक्षण की व्यवस्था मौजूद है, लेकिन इस बात पर जोर दिया गया कि निरीक्षण प्रभावी, सार्थक और परिणामों पर केन्द्रित हों। जिन एजेंसियों का काम लगातार खराब पाया जाए, उनके विरुद्ध उचित कार्रवाई हेतु समीक्षा की जानी चाहिए और जरूरत पड़ने पर उन्हें सूची से हटाने जैसे कदम उठाने चाहिए ताकि निरीक्षण प्रणाली से आवश्यक गुणवत्ता संबंधी भरोसा मिलना सुनिश्चित हो सके। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित निगरानी एवं पता लगाने वाली प्रणालियों के उपयोग पर भी चर्चा हुई। सीआरबी ने निर्देश दिया कि चूहे, कॉकरोच और दूसरी कमियों से जुड़ी एआई-आधारित सतर्कता प्रणालियां सिर्फ पता लगाने तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। ऐसी घटनाओं के बाद उचित चेतावनी पत्र जारी किए जाने चाहिए और रोक लगाने वाली कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि पहचानी गई कमियों को समय रहते ठीक किया जा सके। इस समीक्षा में रेलवे की खान-पान सेवाओं की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाने हेतु अधिक प्रभावी निरीक्षण, तकनीक-आधारित ठोस निगरानी और तुरंत अनुवर्ती (फॉलो-अप) कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया गया। इन पहलों का उद्देश्य यात्रियों का भरोसा बढ़ाना, खाने की गुणवत्ता और साफ-सफाई के मानकों को बेहतर करना और पूरे भारतीय रेलवे में अधिक जवाबदेह एवं यात्री-केन्द्रित खान-पान प्रणाली सुनिश्चित करना है।

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में सोनिया कुशवाहा के ऐतिहासिक माउंट कुन अभियान के लिए झंडी दिखाकर रवाना करने का समारोह आयोजित

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- दिनांक 21.08.2026 को दोपहर 12:30 बजे महाप्रबंधक कार्यालय में उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ (NCRSA) द्वारा विदाई और झंडी दिखाकर रवाना करने का समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, श्री नरेश पाल सिंह, प्रधान विभागाध्यक्षों के साथ, पर्वतारोही सोनिया कुशवाहा को माउंट कुन (7,077 मीटर/23,210 फीट) के ऊंचे अभियान पर जाने के लिए शुभकामनाएं देने और झंडी दिखाकर रवाना करने हेतु एकत्रित हुए। समारोह के दौरान महाप्रबंधक, श्री नरेश पाल सिंह ने सुश्री कुशवाहा को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा। लद्दाख में जंस्कार रेंज के नून-कुन मैसिफ में स्थित, माउंट कुन भारत की सबसे प्रमुख 7,000 मीटर ऊंची चोटियों में से एक माना जाता है, जो अपनी तकनीकी ग्लेशियर और बर्फ पर चढ़ाई की चुनौतियों के लिए जाना जाता है।

उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी मंडल के वाणिज्य विभाग (Commercial Department) में कार्यरत सुश्री सोनिया कुशवाहा, एक ही खिलाड़ी हैं। उन्होंने टीम के गोलकीपर के तौर पर उत्तर मध्य रेलवे और भारतीय रेल का प्रतिनिधित्व किया है और कई प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं। वह इतनी ऊंचाई पर चढ़ाई का प्रयास करने वाली भारतीय रेल की पहली महिला पर्वतारोही बनकर इतिहास रच रही हैं।

शिमला-कालका रेल खंड पर भूस्खलन के बाद उत्तर रेलवे ने 400 से अधिक यात्रियों का सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित किया

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- शिमला-कालका (SML&KLK) यूनेस्को विश्व धरोहर रेल खंड पर कोटी और घुम्मन स्टेशनों के बीच पुल संख्या 57 (किमी 7/16-17) के पास हुए भूस्खलन के बाद उत्तर रेलवे के कर्मचारियों ने त्वरित और निर्बाध बचाव अभियान चलाकर यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा से बचाया। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रेन संख्या 52456 को सोलन (SOL), ट्रेन संख्या 52452 को कोटी (Koti) तथा ट्रेन संख्या 52460 एवं 52454 को धर्मपुर हिमाचल (DMP) में शॉर्ट-टर्मिनेट किया गया। श्री विपिन पौडवाल (CMI/KLK) और श्री दर्शन सिंह गिल (CMI/SML) के प्रत्यक्ष समन्वय में स्थानीय परिचालन टीमों को बिना किसी देरी के मुस्तैद किया गया।

रेलवे कर्मचारियों ने सोलन, कोटी और धर्मपुर हिमाचल से फंसे हुए यात्रियों को लाने के लिए 7 वाहनों, जिनमें 5 बड़ी बसें और 2 टेम्पो ट्रैवलर शामिल थे, के विशेष बेड़े की व्यवस्था की। लगभग 391 यात्रियों, 40 ट्रेन क्रू और IRCTC कर्मियों को सुरक्षित रूप से कालका स्टेशन वापस लाया गया। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए श्री विपिन पौडवाल और ऑनबोर्ड TTE कर्मचारियों ने स्वयं काफिले की देखरेख की। कालका स्टेशन पहुंचने पर सभी यात्रियों को 250 ताजे भोजन के पैकेट और पानी की बोतलें वितरित की गईं। सीनीय यात्री अपने गंतव्यों के लिए रवाना हो गए, जबकि लगभग 120 यात्रियों को ट्रेन संख्या 13052 में समायोजित किया गया, जिसे निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से 01:30 बजे के लिए पुनर्निर्धारित किया गया था। उत्तर रेलवे के कर्मचारियों द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई, कुशल व्यवस्था और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल के कारण पूरा अभियान बिना किसी यात्री शिकायत या कालका स्टेशन पर रिफंड के अनुरोध के सुचारू रूप से संपन्न हुआ। उत्तर रेलवे अप्रत्याशित मौसमी चुनौतियों के दौरान भी यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन उत्कृष्टता को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

रेल मंत्री ने आनंद विहार और उधना स्टेशनों पर यात्री होल्डिंग एरिया के कार्य की प्रगति की समीक्षा की

त्योहारों के दौरान भीड़ प्रबंधन और यात्रियों की अधिक सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित करेंगे यात्री सुविधा केंद्र

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली स्थित रेल भवन से आनंद विहार टर्मिनल और उधना रेलवे स्टेशन पर यात्री होल्डिंग एरिया परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में रेल राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना भी उपस्थित थे। इस समीक्षा में चल रहे कामों में तेज़ी लाने, साइट से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने और सुविधाओं को समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया। इसमें सिविल कार्य, अवरोधों को हटाना, उपयोगिता कार्यों को स्थानांतरित करना, संरचनात्मक कार्य, यात्री सुविधाएं और अन्य संबंधित सुविधाएं भी शामिल थीं। आगामी प्रमुख त्योहारों की भीड़ से पहले यात्री सुविधा केंद्र को पूरा किया जाना है ताकि यात्रियों के लिए सुरक्षित, अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक व्यवस्था की जा सके।

यात्री सुविधा केंद्र (पैसेंजर होल्डिंग एरिया) उन यात्रियों के लिए विशेष स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किए जा रहे हैं जिनके पास टिकट नहीं है और जो प्रतीक्षा कर रहे हैं। इससे व्यस्त समय में स्टेशन प्लेटफॉर्म, आवागमन क्षेत्रों और स्टेशन के प्रवेश द्वारों पर भीड़ कम करने में मदद मिलेगी। इन सुविधाओं का उद्देश्य यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करना और स्टेशन/प्लेटफॉर्म क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले उन्हें

आरामदायक प्रतीक्षा वातावरण प्रदान करना है।

इन केंद्रों में पर्याप्त स्थान वाले ढके हुए प्रतीक्षालय एवं बैठने की व्यवस्था, अलग-अलग टिकट काउंटर, पुरुषों और महिलाओं के लिए शौचालय और वॉशरूम, पीने का पानी और अन्य आवश्यक यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा, पब्लिक एड्रेस और यात्री सूचना प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, बिजली और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सुविधाएं, डिस्प्ले बोर्ड, साइनबोर्ड, यात्रियों के लिए सुव्यवस्थित आवागमन और फर्नीचर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने भावनगर मंडल का किया विस्तृत निरीक्षण, स्वास्थ्य एवं संरक्षा सुविधाओं की समीक्षा

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री रामाश्रय पाण्डेय ने 26 अगस्त को भावनगर मंडल के मंडल रेलवे अस्पताल, मेडिकल कॉलोनी, मंडल कार्यालय, भावनगर परा ब्रॉडगेज वर्कशॉप एवं भावनगर टर्मिनस स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान संरक्षा, यात्री सुविधाओं और विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। भावनगर मंडल रेलवे अस्पताल में यात्रियों एवं रेलकर्मियों के लिए कई नई सुविधाओं का शुभारंभ किया गया। इनमें आधुनिक फायर फाइटिंग सिस्टम और नए रजिस्ट्रेशन काउंटर की शुरुआत के साथ बेहतर चिकित्सा सेवाओं एवं सुविधाओं का विस्तार शामिल है। महाप्रबंधक ने मरीजों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया।

इसके अलावा, महाप्रबंधक ने भावनगर परा ब्रॉडगेज वर्कशॉप का विस्तृत संरक्षा निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न शॉप्स का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली, संरक्षा मानकों और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सुरक्षित कार्यप्रणाली, बेहतर दक्षता और उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

यात्री सुविधाओं को मिलेगा और बेहतर स्वरूप, महाप्रबंधक श्री उदय बोरवणकर ने गोमतीनगर स्टेशन का किया निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री उदय बोरवणकर ने गोमतीनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं और स्टेशन की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक, लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल सहित वरिष्ठ रेल अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने द्वितीय एंट्री फ्लाईओवर एरिया, एयर कॉनकोर्स, प्रथम एंट्री, सर्कुलेटिंग एरिया, प्रतीक्षालय, वीआईपी लाउंज, पेयजल एवं बिजली व्यवस्था तथा प्लेटफॉर्म पर साफ-सफाई की स्थिति का जायज़ा लिया। उन्होंने यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्टेशन की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया।

दृष्टिबाधित यात्रियों के लिए सुविधाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से उन्होंने ब्रेल साइनेज और प्लेटफॉर्म पर टेक्टाइल फ्लोरिंग का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्टेशन पर यात्रियों को सुविधाजनक और बेहतर अनुभव उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए।

चारबाग रेलवे स्टेशन के 100 वर्ष पूरे, लखनऊ मंडल ने 'स्टेशन महोत्सव' के साथ मनाया शताब्दी समारोह

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- लखनऊ मंडल द्वारा ऐतिहासिक एवं प्रतिष्ठित चारबाग रेलवे स्टेशन के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 30 अगस्त को 'स्टेशन महोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री सुनील कुमार वर्मा ने की। इस अवसर पर रेल अधिकारी, कर्मचारी एवं यात्रीगण उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान चारबाग रेलवे स्टेशन की वर्ष 1926 से अब तक की ऐतिहासिक यात्रा, विशिष्ट स्थापत्य विरासत और भारतीय रेल में इसके महत्व को दर्शाने वाली लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। मंडल रेल प्रबंधक एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। गांधी पार्क में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया गया तथा शताब्दी समारोह के अवसर पर हीलियम गुब्बारा भी स्थापित किया गया।

इस अवसर पर लखनऊ मंडल के समर्पित एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले रेल कर्मचारियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। रेलवे स्काउट्स एवं गाइड्स ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों को विरासत संरक्षण, स्वच्छता और यात्री सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

यात्रियों को चारबाग स्टेशन की ऐतिहासिक विरासत से परिचित कराने के लिए प्लेटफॉर्म संख्या एक पर ऐतिहासिक छायाचित्रों एवं विरासत उपकरणों की विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें स्टेशन के विभिन्न ऐतिहासिक पड़ावों के साथ भारतीय रेल की गौरवशाली यात्रा को प्रदर्शित किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने साबरमती के प्रमुख रेलवे परिसरों का किया निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने साबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन एवं मल्टी-मॉडल हब, साबरमती रेलवे स्टेशन तथा साबरमती लोकोमोटिव शेड का दौरा कर चल रही परियोजनाओं और अनुरक्षण गतिविधियों की प्रगति का जायजा लिया। साबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन एवं मल्टी-मॉडल हब में निर्माणाधीन गतिविधियों की समीक्षा के दौरान उन्होंने सुरक्षा मानकों के साथ उच्च स्तर की कार्य गुणवत्ता बनाए रखने तथा परियोजना को समय पर आगे बढ़ाने पर जोर दिया। साबरमती रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्माण की गति बनाए रखते हुए निर्धारित अवधि में परियोजना पूरी करने के निर्देश दिए। साबरमती लोकोमोटिव शेड में उन्होंने विभिन्न अनुरक्षण व्यवस्थाओं और अन्य गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों को सभी निर्धारित कार्यों को बेहतर समन्वय के साथ पूरा करने और सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2026 की द्वितीय बैठक आयोजित

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2026 की द्वितीय बैठक दिनांक 14 अगस्त, 2026 को श्री अनिल कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिणपूर्व रेलवे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री अनिल कुमार ने अध्यक्ष महोदय एवं सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक का शुभारंभ किया। बैठक में दक्षिणपूर्व रेलवे के सभी प्रधान विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, सभी मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा खड़गपुर कारखाना के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

बैठक के दौरान दक्षिणपूर्व रेलवे में राजभाषा के प्रयोग एवं प्रचार-प्रसार से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक महोदय ने राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिन पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान सुरक्षा विभाग द्वारा ''रेल दुर्घटनाओं में कमी'' विषय पर एक पावरपॉइंट प्रस्तुति भी दी गई।

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि झाँसी मंडल के धौलपुर-बीना खंड में वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 01 पर बैलास्टलेस ट्रैक के निर्माण कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों के निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन, शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन, रेग्यूलेशन एवं रिशेडयूलिंग करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी संख्या एवं गाड़ी का नाम	अवृत्ति	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
05073* क्रान्तिवीर संगोल्लि रायाण्ण (बेंगलुरु)-लालकुआँ जं.	मंगल	24.11.26 से 29.12.26 तक
05074* लालकुआँ जं.-क्रान्तिवीर संगोल्लि रायाण्ण (बेंगलुरु)	शनिवार	21.11.26 से 26.12.26 तक
07075* हैदराबाद-गोरखपुर जं.	शुक्रवार	20.11.26 से 25.12.26 तक
07076* गोरखपुर जं.-हैदराबाद	रविवार	22.11.26 से 27.12.26 तक

गाड़ी संख्या *05073/05074 को दिनांक 19.09.2026 से नियमित गाड़ी संख्या 15301/15302 क्रान्तिवीर संगोल्लि रायाण्ण (बेंगलुरू)-लालकुआँ एक्सप्रेस के रूप में तथा गाड़ी संख्या *07075/07076 को दिनांक 02.10.2026 से नियमित गाड़ी संख्या 22075/22076 चर्लपल्ली-गोरखपुर के रूप में संचालित किया जायेगा।

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी संख्या एवं गाड़ी का नाम	पूर्व में मार्ग परिवर्तन	परिवर्तित मार्ग	मार्ग परिवर्तन तिथि
12174 माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-लोकमान्य तिलक (ट.)	कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	कानपुर सेंट्रल-हमीरपुर रोड-ओहन केबिन-जबलपुर-इटारसी	24.11.26 से 29.12.26 तक
12108 सीतापुर - लोकमान्य तिलक (ट.)	कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	कानपुर सेंट्रल-हमीरपुर रोड-ओहन केबिन-जबलपुर-इटारसी	22.11.26 से 27.12.26 तक
22583 छपरा - लोकमान्य तिलक (ट.)	गोविन्दपुरी-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	गोविन्दपुरी-कानपुर सेंट्रल -हमीरपुर रोड-ओहन केबिन-जबलपुर-इटारसी	24.11.26 से 22.12.26 तक
12590 चर्लपल्ली - गोरखपुर	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल	इटारसी-जबलपुर-ओहन केबिन-हमीरपुर रोड-कानपुर सेंट्रल-	19.11.26 से 24.12.26 तक
11407 पुणे - लखनऊ	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल	इटारसी-जबलपुर-ओहन केबिन-हमीरपुर रोड-कानपुर सेंट्रल-	24.11.26 से 22.12.26 तक
12410 हज़रत निज़ामुद्दीन-रायगढ़	मथुरा-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना	मथुरा-बयाना-सोगरिया -रूठियाई-बीना	21.11.26 से 29.12.26 तक
12406 हज़रत निज़ामुद्दीन-भुसावल	मथुरा-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना	मथुरा-बयाना-सोगरिया -रूठियाई-बीना	20.11.26 से 27.12.26 तक
14622 फिरोज़पुर कैंट -हुज़ूर साहेब नांदेड	ग्वालियर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना	ग्वालियर-गुना-बीना	20.11.26 से 25.12.26 तक
14314 बरेली-लोकमान्य तिलक (ट.)	ग्वालियर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना	ग्वालियर-गुना-बीना	21.11.26 से 26.12.26 तक
14320 बरेली-इंदौर	ग्वालियर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-संत हिरदाराम नगर-मक्सी	ग्वालियर-गुना-रूठियाई-मक्सी	25.11.26 से 23.12.26 तक
09466 दरभंगा-अहमदाबाद	गोविन्दपुरी-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-गुना	गोविन्दपुरी-इटावा-ग्वालियर-गुना	23.11.26 से 28.12.26 तक
09465 अहमदाबाद-दरभंगा	गुना-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-गोविन्दपुरी	गुना-ग्वालियर -इटावा-गोविन्दपुरी	20.11.26 से 25.12.26 तक
11123 ग्वालियर - बरौनी	ग्वालियर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल	ग्वालियर-इटावा-कानपुर सेंट्रल	20.11.26 से 29.12.26 तक
11124 बरौनी - ग्वालियर	कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-ग्वालियर-	कानपुर सेंट्रल-इटावा-ग्वालियर-	19.11.26 से 28.12.26 तक
22129 लोकमान्य तिलक (ट.) -आयोध्या कैंट	ललितपुर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-महोबा	ललितपुर-खजुराहो-महोबा	21.11.26 से 27.12.26 तक
22130 आयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक (ट.)	महोबा-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-ललितपुर-	महोबा-खजुराहो-ललितपुर-	23.11.26 से 28.12.26 तक
12944 कानपुर सेंट्रल-वलसाड	कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-मानिकपुर-जबलपुर-इटारसी	20.11.26 से 25.12.26 तक

रेलगाड़ियों का शार्ट टर्मीनेशन/ओरिजिनेशन

गाड़ी संख्या एवं गाड़ी का नाम	स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
19665 खजुराहो-उदयपुर सिटी	दतिया	21.11.26 से 30.12.26 तक
19666 उदयपुर सिटी-खजुराहो	दतिया	19.11.26 से 28.12.26 तक
12279 वी. लक्ष्मीबाईझाँसी-नई दिल्ली	ग्वालियर	20.11.26 से 29.12.26 तक
12280 नई दिल्ली-वी. लक्ष्मीबाई झाँसी	ग्वालियर	20.11.26 से 29.12.26 तक

रेलगाड़ियों का रेग्युलेशन

गाड़ी संख्या 22196 बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी (मंगलवार, बुधवार) गाड़ी संख्या 02200 बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी (शनिवार) को प्लेटफार्म उपलब्ध न होने के कारण 60 मिनट रेग्युलेट किया जायेगा यह व्यवस्था 19.11.2026 से 26.12.2026 तक प्रारम्भ होने वाली यात्राओं पर लागू रहेगा।

रेलगाड़ियों का रिशेड्यूलिंग

गाड़ी संख्या 11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-लखनऊ को वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी से 30 मिनट रिशेडयूलिंग किया जायेगा। यह व्यवस्था दिनांक 20.11.2026 से 29.12.2026 तक प्रारम्भ होने वाली यात्राओं पर लागू रहेगा।

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

आयुष ग्रिड से डिजिटल हो रहा आयुष क्षेत्र, 24 ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म विकसित

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि आयुष मंत्रालय की आयुष ग्रिड परियोजना को आयुष क्षेत्र के लिए व्यापक आईटी आधार के रूप में विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं, अनुसंधान, शिक्षा, दवा प्रशासन, क्षमता निर्माण और औषधीय पौधों से जुड़े क्षेत्रों में डिजिटल तकनीक के माध्यम से सेवा वितरण को मजबूत करना तथा पारदर्शिता, दक्षता और सुशासन को बढ़ावा देना है।

आयुष ग्रिड के तहत 24 ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं, जिन्हें देशभर में सुलभ बनाया गया है। इनमें माई आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेज पोर्टल (MAISP), आयुष अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (AHMIS), आयुष अनुदान पोर्टल, एआई-सक्षम आयुष अनुसंधान पोर्टल, आयुष निवेश सारथी और ई-चरक जैसे प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल हैं। ये प्लेटफॉर्म नागरिकों, स्वास्थ्य सुविधाओं, शोधकर्ताओं, निवेशकों और औषधीय पौधों से जुड़े हितधारकों के लिए डिजिटल सेवाओं और सूचनाओं तक आसान पहुंच उपलब्ध कराते हैं।

आयुष अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अनुरूप लागू किया गया है, जिससे आयुष स्वास्थ्य सेवाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रबंधन को डिजिटल बनाने में मदद मिल रही है। वहीं, एआई-सक्षम आयुष अनुसंधान पोर्टल 43,000 से अधिक चयनित आयुष अनुसंधान प्रकाशनों का केंद्रीकृत डिजिटल भंडार उपलब्ध कराता है। ई-चरक पोर्टल औषधीय पौधों के क्षेत्र में किसानों, संग्राहकों, खरीदारों, निर्माताओं और निर्यातकों को जोड़ने वाले वर्चुअल मार्केटप्लेस एवं सूचना मंच के रूप में कार्य करता है।

आयुष ग्रिड के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और अन्य उन्नत तकनीकों को विभिन्न क्षेत्रों में शामिल कर डिजिटल बदलाव को गति दी जा रही है। इसके साथ ही आयुर्वेद ग्रंथ समुच्चय, आयुष पांडुलिपि उन्नत भंडार (AMAR), शोकेस ऑफ हिस्टोरिकल इम्प्रिंट्स (SAHI) और ई-मेडिकल हेरिटेज एक्सेसन (म-डमर्की) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म प्राचीन ग्रंथों एवं पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण में योगदान दे रहे हैं।

कुल मिलाकर, आयुष ग्रिड के तहत विकसित डिजिटल प्रणालियां सेवा वितरण को अधिक सुगम बनाने, परिचालन दक्षता बढ़ाने तथा पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने में सहायक हो रही हैं।

एआईआईए ने आयुर्वेद-आधारित मातृ स्वास्थ्य एवं कल्याण सहायता को मजबूत करने के लिए "गर्भिनी मित्र" पाठयक्रम शुरू किया

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), जो आयुष मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त प्रमुख संस्थान है, ने शैक्षणिक सत्र 2026-2027 के लिए 'गर्भिणी मित्र' पाठ्यक्रम शुरू किया है। यह पहल एक संरचित स्वास्थ्य देखभाल कौशल विकास कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य गर्भावस्था और प्रसवोत्तर अवधि के दौरान महिलाओं को उपयुक्त स्वास्थ्य शिक्षा, जीवनशैली मार्गदर्शन और सामुदायिक स्तर पर सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित कर्मियों को तैयार करना है।

यह पाठ्यक्रम आयुर्वेद की पारंपरिक अवधारणाओं गर्भिणी परिचर्या (प्रसवपूर्व देखभाल), सूतिका परिचर्या (प्रसवोत्तर देखभाल) और गर्भाधान विधि (गर्भधारण से पूर्व की देखभाल) पर आधारित है। छह महीने की अवधि वाले इस ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सोमवार से शुक्रवार तक दोपहर 3.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक किया जाएगा। इसमें प्रतिभागियों को गर्भावस्था की विभिन्न तिमाहियों के अनुसार आहार संबंधी ज्ञान, जीवनशैली में आवश्यक बदलाव, गर्भावस्था के दौरान सुरक्षित योग, प्रसव के समय भावनात्मक सहयोग, नवजात शिशु की मालिश और बुनियादी जीवन रक्षक सहायता संबंधी प्रोटोकॉल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पाठ्यक्रम में संक्रमण नियंत्रण, स्वच्छता एवं सेनिटाइजेशन, जैव चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन और कार्यस्थल सुरक्षा पर भी विशेष जोर दिया गया है।

यह पाठ्यक्रम नई दिल्ली के सरिता विहार स्थित एआईआईए परिसर में संचालित किया जाएगा। प्रत्येक बैच में 20 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। भारत के किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सेकेंडरी (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले और कम से कम 18 वर्ष की आयु वाले उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र हैं। वर्तमान में अपनी 12वीं कक्षा के परिणामों का इंतजार कर रहे उम्मीदवार भी अनंतिम आवेदन जमा कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद अभ्यर्थी गर्भिणी मित्र सहायक, प्रसवपूर्व/प्रसवोत्तर देखभाल सहायक, प्रसवपूर्व स्वास्थ्य एवं कल्याण मार्गदर्शक तथा मात स्वास्थ्य सहायता कर्मी के रूप में कार्य कर सकते हैं। उनके लिए आयुष केंद्रों, प्रसूति क्लीनिकों, गैर-सरकारी संगठनों, सामुदायिक स्वास्थ्य परियोजनाओं और स्वास्थ्य एवं कल्याण संस्थानों में अवसर उपलब्ध हैं।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव विशेष:

जानिए भगवान श्री कृष्ण की दिव्य लीलाओं में निहित आध्यात्मिक संदेश

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- उस युग का सर्वाधिक तमग्रस्त काल था वह। पापाचार चरम सीमा पर था। श्रीमद्भागवत के एक रूपक के अनुसार उस समय सहस्रों दैत्य राजाओं का रूप धरकर पृथ्वी को आक्रान्त कर रहे थे। इनके दुर्दान्त अत्याचारों से पृथ्वी भयाक्रान्त थी। वे गौ रूप धारण कर करुण स्वर में रंभा रही थी। इस करुण क्रंदन को सृष्टि के पालनहार कैसे अनसुना कर सकते थे? अतः वे असीम परम सत्ता ससीम मानवीय चोले में सिमट कर इस धरा पर उतर आई। मानों अज्ञानरूप अंधकार को चीरता हुआ ज्ञान रूपी पूर्ण चन्द्रमा द्वापर युगीन नभ में उदित हुआ। यह अतिशुभ घड़ी थी, भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी की अर्धरात्रि और यह अवतारी युगपुरुष थे- पुरुषोत्तम भगवान श्री कृष्ण!

श्रीकृष्ण, एक ऐसा अलौकिक व्यक्तित्व जिसे किसी एक परिभाषा से चित्रित ही नहीं किया जा सकता। ये ही तो हैं जिन्होंने संसार में एक ओर तो गोप-गोपिकाओं के माध्यम से प्रेम-भक्ति-विरह की सरस धारा प्रवाहित की, वहीं दूसरी ओर समस्त उपनिषदों को दुहकर गीता रूपी दुग्धामृत अर्जुन के निमित्त से सम्पूर्ण मानव जाति को दिया। माधुर्यपूर्ण प्रेम और धर्म सम्मत ज्ञान का अद्भुत सम्मिश्रण! यही श्रीकृष्ण हैं।

इस लीलाधर ने अपने अवतरण काल में अनेकानेक दिव्यलीलाएँ की। ब्रज की कुंज गलियाँ, कंस के अत्याचारों से त्रस्त मथुरा भूमि, कुरुक्षेत्र का महा समरांगण हर क्षेत्र में इनकी अलौकिक लीलाओं का प्रकाश जगमगाया। ये दिव्य क्रीड़ाएँ तत्समय तो सप्रयोजन थी हीं, आज युगोपरान्त भी हमारे लिए प्रेरणा दीप हैं। साधारण प्रतीत होते हुए भी असाधारण संदेशों की वाहक हैं। एक-एक लीला में गूढ़ आध्यात्मिक रहस्य संजोया व पिरोया हुआ है। जैसे ग्वालिनों की मटकियों से माखन चुराकर खाना। नन्दनन्दन माखन चोर की यह लीला अत्यंत सांकेतिक है। यह इशारा कर रही है कि संसार द्वैतात्मक है। इसमें माखन रूपी सार एवं छाछ रूपी असार दोनों ही विद्यमान हैं। माखन चुराकर प्रभु यही समझा रहे हैं कि संसार में परम सार तत्त्व अर्थात् ईश्वर का वरण करो, सारहीन माया का नहीं।

बाल-लीलाओं की इस श्रृंखला में विषधर कालिया की मर्दन लीला को ही लें। यह बाललीला भी कुछ कम प्रतीकात्मक नहीं। यहाँ विषधर कालिया हमारे विषाक्त मन का प्रतीक है। उसके सहस्रों विषैले फन हमारे अंतस् में फुँफकारते अगणित विकारों, दुर्भावनाओं के द्योतक हैं। हमारे जीवन की यमुना भी इन वासनात्मक प्रवृत्तियों के कारण विषाक्त हो गई है। जीवन की मिठास लुप्त और शांति भंग होती जा रही है। श्रीकृष्ण का यमुना के तल में उतरना प्रतीक है हमारे जीवन में एक पूर्ण गुरु के पदार्पण का। गुरु प्रदत्त ब्रह्मज्ञान द्वारा अंतस् में व्याप्त एक-एक विकार क्षीण होने लगता है। मन नथ जाता है। पूर्णतया विकार रहित एवं समर्पित हो, उस परम सत्ता के दिव्य नृत्य का उचित धरातल बन पाता है।

महारास की दिव्य लीला भी अपने में गूढ़ आध्यात्मिक रहस्य को संजोए हुए है। रासलीला वह भावलीला है, जिसमें माया, दैहिक आकर्षण व श्रृंगार का कोई स्थान नहीं। देहाध्यास लेशमात्र भी नहीं। यह शरीर का नहीं, अपितु आत्मा का रसपूर्ण नृत्य है। इस दिव्य नर्तन में गोपियाँ आत्मा रूप थीं और श्रीकृष्ण परमात्मा स्वरूप! यह प्रत्येक आत्मा का अपने स्रोत परमात्मा के संग आध्यात्मिक संयोग था।

पदम्पुराण में वर्णन आता है कि त्रेता के जिन ऋषिगणों की इच्छा प्रभु राम के संग रहने की थी, वे सब ही द्वापर में गोप-गोपियाँ बन कर आए। ऋषि-आत्माएँ अर्थात् गोपियाँ जन्म-जन्मान्तरों से ब्रह्म रस की पिपासु थीं। और जैसा कि कहा भी गया है- वह ब्रह्म ही परम रस है। पारब्रह्म ने श्रीकृष्ण रूप में महारास के माध्यम से इसी परम रस की गोपियों पर व दृष्टि की। उनकी चिरकालीन आध्यात्मिक पिपासा को शान्त किया।

समग्रतः भगवान श्रीकृष्ण की समस्त लीलाएँ दिव्य एवं पारलौकिक हैं। उनका चरित्र अत्यंत उदात्त है। वे शुद्ध-बुद्ध-मुक्त-चौतन्य रूप हैं। उनको एवं उनकी लीलाओं में निहित गूढ़ार्थों को लौकिक बुद्धि द्वारा नहीं समझा जा सकता। ब्रह्मज्ञान ही उनको समझने की एक मात्र कुंजी है। एक ब्रह्मज्ञानी ही अन्तर्हृदय की गहराइयों में उतरकर इन लीलाओं के मर्म को समझ सकता है। इनसे प्रेरित होकर जीवन में परमानन्द का अनुभव कर सकता है। जन्माष्टमी के इस पावन पर्व पर सभी भागवत् प्रेमियों को दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान का यही सन्देश है कि आप श्रीकृष्ण कन्हैया की बाहरी झांकियों को देखने तक ही सीमित न रहें। उसका गुणगान मात्र बाहरी इंद्रियों से ही न सुनें। अपितु इस पर्व को सही मायनों में सार्थक करने हेतु इस अवतारी युगपुरुष को ब्रह्मज्ञान द्वारा तत्त्व से जानने की चेष्टा करें।

"हिंदी : आज से कल तक"

हिंदी से मैंने जाना, शब्दों का संसार,
छोटे-छोटे अक्षरों में छिपे कितने विचार।

कभी किताबों के पन्नों पर, कभी कविता की पंक्तियों में,
हिंदी मिलती है हमें अपने ही शब्दों में।

इसमें मन की बात कहें, इसमें सपने सजाएँ,
जो कहना चाहते हैं दिल से, वही हिंदी में लिख पाएँ।

समय बदलता रहता है, भाषा भी बदलती है,
हर नए दौर के साथ हिंदी आगे बढ़ती है।

आज नई पीढ़ी के हाथों में हिंदी का एक नया रूप है,
कभी शब्दों में, कभी आवाज में, कभी मोबाइल पर
इसका रूप है।

हमें इसे केवल एक दिन याद नहीं करना है,
हर दिन अपने जीवन में हिंदी को अपनाना है।

दूसरी भाषाएँ सीखें हम, उनका भी सम्मान करें,
लेकिन अपनी हिंदी से कभी दूरी न करें।

क्योंकि भाषा वही जीवित रहती है,जिसे लोग अपनाते हैं,
और आने वाली पीढ़ियाँ, जिसे आगे बढ़ाती हैं।

आज हमसे जुड़ी हिंदी, कल भी आगे जाएगी,
नई पीढ़ी के शब्दों में नई कहानी सुनाएगी।

राजीव कुमार , कक्षा -7
रोहिणी,दिल्ली

संपादकीय

हिंदी दिवस: हमारी सांस्कृतिक पहचान और अभिव्यक्ति की संवाहक

प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर का दिन भारतीय जनमानस के लिए केवल एक तिथि नहीं, बल्कि अपनी मातृभाषा के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक विशेष अवसर होता है। 14 सितंबर 1949 को भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था और इसी ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में प्रतिवर्ष 'हिंदी दिवस' का आयोजन किया जाता है। हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की विविधताओं को एक सूत्र में पिरोने वाली एक सशक्त डोर है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम में भी राष्ट्रीय चेतना को जगाने और जन-आंदोलनों को दिशा देने में अद्वितीय भूमिका निभाई थी। आज इंटरनेट, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के इस युग में हिंदी की उपस्थिति और मांग तेजी से बढ़ी है, वहीं विश्व स्तर पर भी यह दुनिया की प्रमुख भाषाओं में शामिल होकर सिनेमा, पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया के माध्यम से अपनी एक मजबूत पकड़ बना चुकी है। ऐसे में केवल एक दिन समारोह मनाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि हमें अपने दैनिक कामकाज, तकनीक और पठन-पाठन में हिंदी का स्वाभाविक प्रयोग बढ़ाना होगा, क्योंकि जब हम अपनी भाषा का सम्मान करेंगे, तभी विश्व मंच पर हमारी संस्कृति और पहचान को स्वाभाविक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी।

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90 पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१.	उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२.	उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३.	अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४.	रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर)
कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

Tiruchchirappalli Division Celebrates Station Mahotsav 2026, Honouring Over 160 Years of Railway Heritage

Source/RSB- Tiruchchirappalli Division of Southern Railway celebrated Station Mahotsav 2026 on 24 August 2026, commemorating more than 160 years of railway heritage dating back to 1862. The celebrations were attended by Shri Balak Ram Negi, DRM/TPJ, Shri K. M. Sathiyia Rathan, ADRM/TPJ, Smt. Sonalika Negi, President/SRWWO, along with officers, employees, Scouts & Guides and MDZTI trainees.

The programme commenced with a procession from the Rail Museum to the Station Portico, marking the beginning of the celebrations dedicated to the division's rich railway heritage.

AGM Vipin Kumar Reviews Redevelopment Progress at Chennai Beach Railway Station

Source/RSB- Additional General Manager Shri Vipin Kumar inspected the ongoing redevelopment works at Chennai Beach Railway Station being carried out under the Amrit Station Scheme. During the inspection, he reviewed the progress of various works and took stock of the overall redevelopment activities at the station. The inspection focused on the implementation and progress of the ongoing works aimed at improving the station's infrastructure and passenger facilities. Such periodic reviews help ensure that redevelopment activities are carried out in a coordinated and timely manner while maintaining the required standards.

Shri Vipin Kumar was accompanied by Shri Shailendra Singh, DRM, Chennai Division; Shri Sheo Kumar Prasad, Chief Project Manager, Gati Shakti; and Dr. I. Senthil Kumar, ADRM, Chennai Division. Senior officials of Chennai Division were also present during the review.

DRM Madurai Division Inspects Sengottai, Sivakasi and Virudunagar Railway Stations

Source/RSB- DRM, Madurai Division Shri Om Prakash Meena inspected Sengottai, Sivakasi and Virudunagar railway stations, reviewing passenger amenities, station facilities and ongoing development works. The inspections focused on ensuring safe, efficient and passenger-friendly railway services, with particular attention to safety, cleanliness and improving the overall passenger experience.

During the inspections, the DRM reviewed the condition and availability of facilities for passengers and took note of ongoing works at the stations

Railway Facilities Enhanced to Improve Travel Comfort for Mothers and Infants

Source/RSB- Indian Railways is providing breastfeeding rooms at nearly 500 railway stations to make rail travel more comfortable for mothers and infants. Privacy screens and partitions are also being provided in waiting areas to offer greater privacy and convenience to passengers. Facility expansion is underway at more railway stations as part of efforts to improve passenger amenities. These facilities are particularly useful for mothers travelling with infants, providing them with a more comfortable and private space during their journey

Comprehensive Inspection of Catering Units Conducted at New Delhi Railway Station

Source/RSB- A comprehensive inspection of catering units at New Delhi Railway Station (NDLS) was conducted today by Dr. Manoj Singh, Member, Operations & Business Development, Railway Board, along with Shri Praveen Pandey, PCCM, Northern Railway, and senior officials from the Railways and IRCTC.

The inspection reaffirmed the commitment towards maintaining hygiene standards and providing passenger-centric catering services at the station. The exercise focused on ensuring that catering facilities meet the required standards and continue to serve passengers effectively.

DFCCIL and Invest UP sign MoU to strengthen freight connectivity and industrial growth in Uttar Pradesh

Source/RSB- The Dedicated Freight Corridor Corporation of India Limited (DFCCIL) and Invest UP signed a Memorandum of Understanding (MoU) on 17 August 2026 to strengthen the interface between freight infrastructure, logistics & industrial investment in Uttar Pradesh. The MoU was signed by Sh. Sandesh Shrivastava, ED/Project, DFCCIL, and Sh. Vijay Kiran Anand, CEO, Invest UP, in the presence of Sh. Pawan K. Rai, Director/Project Planning, DFCCIL, and Sh. Deepak Kumar, Infrastructure & Industrial Development Commissioner, Invest UP.

Under the collaboration, DFCCIL will facilitate greater engagement with industries and business entities while promoting the development of Gati Shakti Multimodal Cargo Terminals (GCTs) on both railway and non-railway land. The initiative will also support road connectivity to GCTs to enable seamless first- and last-mile cargo movement and strengthen end-to-end multimodal logistics. Through Invest UP, the Government of Uttar Pradesh will facilitate engagement with prospective investors and support the establishment of business units in the state, including assistance related to land acquisition.

The partnership brings together freight infrastructure & investment facilitation, with the objective of creating opportunities for industrial development, logistics growth, multimodal connectivity and a stronger supply chain ecosystem across Uttar Pradesh.

Eastern Railway GM reviews Kavach 4.0 implementation, multitracking project

Source/RSB- Eastern Railway General Manager Gitika Pandey inspected the Kavach 4.0 system in the ASN–HWH section and reviewed its implementation with officials. During her visit, Pandey met Branch Officers of Asansol Division at the DRM Building in Asansol and discussed various operational and developmental issues. Principal Heads of the Engineering, Signal & Telecommunication and Commercial departments from the headquarters and the DRM, Asansol, were also present.

The progress of the Son Nagar–Andal multi-tracking project was also reviewed during the discussions. The General Manager stressed the need for smooth functioning, greater alertness and better coordination to address operational challenges.

RITES CMD Rahul Mithal to continue till June 2027

Source/RSB- The tenure of Rahul Mithal as Chairman and Managing Director of RITES Ltd. has been extended beyond October 6, 2026, until his superannuation on June 30, 2027. The Ministry of Railways communicated the decision to RITES through a letter dated August 20, 2026. The order states that the extension will remain effective until June 30, 2027, or until further orders, whichever is earlier. Mithal will continue to lead the railway consultancy and engineering company during the extended tenure.

RITES Limited is a government-owned engineering and consultancy company under the Ministry of Railways. Its business includes engineering, consultancy & project management work across transport infrastructure, with railways forming a major part of its operations.

North Eastern Railway Operates Longest-Ever 'Awadh Mahashakti' Freight Train

North Eastern Railway operated its longest-ever freight train, 'Awadh Mahashakti', on August 20 from Gonda to Sitapur in Uttar Pradesh. Formed at Gonda Yard under the Lucknow division, the nearly 2-km-long train comprised three rakes of BCN empty wagons, with 129 wagons hauled by three engines.

The train covered around 160 km in 3 hours and 50 minutes at an average speed of 42 kmph. The long-haul operation combined three rakes into a single movement, saving two train passages and helping supply BCN empty wagons for loading in the northern region. The Gonda-Burhwal-Sitapur section is part of High-Density Network-4, connecting Delhi with Guwahati.

Alstom-Indian Railways JV MELPL supports Rs. 60,000 crore economic output across India

Source/RSB- Alstom and Indian Railways' joint venture, Madhepura Electric Locomotive Private Limited (MELPL), supported ₹60,000 crore in economic output and contributed ₹23,800 crore in Gross Value Added (GVA) across India between FY20 and FY26, according to an independent socio-economic impact assessment conducted with Dun & Bradstreet. The Madhepura facility has strengthened Bihar's industrial economy, with its GST contribution equivalent to 1% of Bihar's aggregate GST collections in FY24 and its direct GVA accounting for 4.6% of Madhepura's GDDP. The project has achieved nearly 90% localisation, sustained around 2,300 jobs annually across India and accounts for about 12% of registered factory jobs in Madhepura. Established under the Make in India and Atmanirbhar Bharat initiatives, the facility manufactures 12,000 HP WAG-12B Prima T8 electric locomotives and has helped India become the sixth country capable of producing advanced 12,000 HP electric locomotives domestically. MELPL, a ₹3.5 billion joint venture between the Ministry of Railways and Alstom, is responsible for manufacturing and maintaining 800 high-powered

locomotives, which are deployed in freight operations including Dedicated Freight Corridors and support the National Rail Plan's 45% freight modal-share target. The project has also promoted women's participation in railway operations, including the qualification of Alstom's first female locomotive pilot in the Asia-Pacific region. Beyond manufacturing, MELPL has invested more than ₹17 crore in CSR initiatives, providing healthcare support to nearly 10,000 patients, STEAM education to over 2,000 students and livelihood support to more than 1,700 rural residents.

मातृशक्ति को सम्मान

60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की
उत्तर प्रदेश की महिलाओं को निःशुल्क बस यात्रा
की सुविधा

'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना

योजना साकार-संवेदनशील सरकार

- लोक कल्याण संकल्प पत्र का वादा पूरा
- 60 वर्ष+ आयु की महिलाओं को आजीवन निःशुल्क यात्रा की सुविधा
- उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की साधारण बसों में महिलाओं को निःशुल्क यात्रा की सुविधा
- पात्र महिलाओं को निगम द्वारा उपलब्ध कराये जायेंगे विशेष स्मार्ट कार्ड
- आधार कार्ड दिखाकर भी पात्र महिलाएं उठा सकेंगी लाभ
- योजना पर ₹22 करोड़+ मासिक व्यय भार अनुमानित
- प्रतिदिन 88,000+ महिला यात्रियों को लाभ मिलने का अनुमान

रक्षाबंधन का त्योहार-मातृशक्ति को उपहार

उत्तर प्रदेश सरकार की समस्त बसों में सभी माताओं, बहनों एवं बेटियों को
सहयात्री सहित निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा

मातृशक्ति लाभ उठाएं-मनचाही यात्रा पर जाएं

विकास की गति अपार
डबल इंजन सरकार

परिवहन विभाग, उत्तर प्रदेश
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076